

पद ३२६

(रागः पिलु जिल्हा - तालः दीपचंदी)

साधु होगा सो रंडीकु लग रे ॥ध्रु.॥ उस रंडी का बदन बड़ा है ।
जामे निकसत जग रे ॥१॥ माणिक गुरु लागा सो लागा । साडीकु
पोंछ गया ठग रे ॥२॥